University in News on 28 October 2023

THE PIONEER PAGE 3

LU SCHOLARS PRESENT PAPERS IN SCA

Lucknow University research scholars Apoorva Sharma and Digvijay Singh participated and presented their research papers at the 22nd Science Council of Asia Conference (SCA 2023) held from October 19 to 21 at Seoul National University, Republic of Korea. These two students are pursuing PhD from the department of education under the supervision of Dr Arpana Godbole and Prof Tripta Trivedi. The event marked the presence of eminent experts in the field of science and education from various Asian countries, including India, Japan, Bangladesh, Korea and Philippines. Former UN Secretary General Ban Ki-moon also attended the conference and addressed the participants on geopolitics in east Asia.

SAHITYA RATNA AWARD CONFERRED ON LU PROF

Prof RP Singh from the department of English and MEL, University of Lucknow, received the national-level 'Sahitya Ratna Award' for exceptional contribution to children's literature in English. SMS's International Education and Research Academy, Mumbai, while conferring the award on Prof Singh, said it is given for his exceptional contribution to children's literature in English. "By carving plots of human relations with society, environment and climate change, the writings of Singh offer extraordinary zest for life blending human values and child psychology," according to the award's citation. Prof Singh has written poetry and drama for children. Cloud, Moon and a Little Girl (2017), Adventures of Funny and Bana (2018), The World of Mavie (2019) represent his poetry for children while Ecologue (2014) and When Brancho Flies (2013) represent his drama for children.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

क्लाइंट काउंसिलिंग प्रतियोगिता का लविवि में आगाज

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसाइटी और प्रो. बोनो की ओर से शुक्रवार को नवीन परिसर स्थित जूरिस हॉल में इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउंसिलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया।

इसमें लविवि से संबद्ध कॉलेजों की 64 टीमों ने हिस्सा लिया। क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल राउंड 28 अक्तूबर को होगा। फाइनल राउंड 29 अक्तूबर को होगा।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि मुख्य स्थायी अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने अधिवक्ता जीवन के व्यावहारिक पहलुओं पर रोशनी डालते हुए इतिहास से जुड़े तथ्यों को रखा और वकालत पेशे की पवित्रता को बताया। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थी जीवन में एकाग्रता, ध्यान का महत्व बताया। डीन प्रो. बीडी सिंह ने क्लाइंट काउंसिलिंग की उपयोगिता तथा प्रतियोगिता से संबंधित सुझाव दिए। मौके पर डायरेक्टर इंडियन फॉरेन लैंग्वेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी रजनीश अरोड़ा, डॉ. आलोक कुमार यादव समेत शिक्षक व विद्यार्थी थे। (संवाद)

21 पाठ्यक्रमों के परीक्षा परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने शुक्रवार को स्नातक, परास्नातक सम सेमेस्टर के 21 कोर्सों के परिणाम घोषित कर दिए। 90 फीसदी से अधिक विषयों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। (संवाद)

कोरिया में प्रस्तुत किया शोध पत्र

लखनऊ। लविवि के शिक्षाशास्त्र विभाग के दो शोधार्थियों ने साउथ कोरिया की सीओल नेशनल यूनिवर्सिटी में 19 से 21 तक हुई 22वीं साइंस काउंसिल ऑफ एशिया कांफ्रेंस में शोधपत्र प्रस्तुत किया है। शोधार्थी अपूर्वा शर्मा और दिग्विजय सिंह विभाग की प्रो. तृप्ता त्रिवेदी और डॉ. अर्पणा गोडबोले के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। (संवाद)

सारथी में लविवि के तीन विद्यार्थियों का चयन

लखनऊ। यूजीसी ने नई शिक्षा नीति के प्रचार व छात्रों तक बेहतर पहुंच के लिए सारथी (स्टूडेंट अंबेसडर फॉर एकेडमिक रिफॉर्म इन ट्रांसफार्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया) प्रोग्राम शुरू किया है। इसमें लविवि के तीन छात्रों दिव्यांशी गुप्ता, प्रियांशी राय व आशुतोष बाजपेई का चयन किया गया है। देश के सभी विवि से 31 विद्यार्थियों को अभियान का हिस्सा बनाया गया है। यूजीसी ने गूगल फॉर्म के माध्यम से भारत के सभी विवि के विद्यार्थियों से उनका संपूर्ण विवरण मांगा था। उनके शैक्षणिक विवरण व अन्य योग्यताओं (को-कॉरिकुलर) को आधार मानकर चयन किया गया है। ये सभी विद्यार्थी केंद्र व राज्य सरकार और विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति के लिए किए जा रहे अकादमिक कार्यों से लोगों को अवगत कराएंगे। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU के तीन स्टूडेंट बने NEP के 'सारथी'

■ एनबीटी सं, लखनऊः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नई शिक्षा नीति (एनईपी) को बढ़ावा देने के लिए देश भर से 31 स्टूडेंट्स को ऐम्बैसडर चुना है। इन्हें स्टूडेंट ऐम्बैसडर फॉर अकैडमिक रिफॉर्म्स इन ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया (सारथी) नाम दिया गया है। इसके लिए यूजीसी ने गूगल फॉर्म के जरिए सभी विवि और उच्च शिक्षण संस्थानों के स्टूडेंट्स से आवेदन मांगा था। योग्यता के आधार पर एलयू की दिव्यांशी गुप्ता, प्रियांशी राय और आशुतोष बाजपेई को भी एनईपी सारथी चुना गया है।

क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता का आगाज़

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू के न्यू कैंपस में विधि संकाय की एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी और प्रो बोनो की ओर से शुक्रवार से इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता शुरू हुई। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में एकाग्रता बहुत आवश्यक है। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. बंशीधर सिंह ने क्लाइंट काउंसलिंग की उपयोगिता तो मुख्य स्थायी अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने अधिवक्ता जीवन के व्यावहारिक पहलुओं के बारे में बताया। असोसिएट प्रफेसर अलोक कुमार यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में कई कॉलेजों की 64 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

इंटर्नशिप सर्टिफिकेट नहीं तो अनुपस्थित

■ एनबीटी सं, लखनऊः एलयू व संबद्ध कॉलेजों में स्नातक के पांचवें सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को अपने विभागों और कॉलेजों में इंटर्नशिप सर्टिफिकेट जमा करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत यूजी पांचवें सेमेस्टर में इंटर्नशिप की परफॉर्मेंस पर 75 अंक और इसके वाइवा पर 25 अंक का प्रावधान है। ऐसे में इंटर्नशिप सर्टिफिकेट न देने वाले स्टूडेंट इस विषय में अनुपस्थित कर दिए जाएंगे। इसके लिए परीक्षा विभाग ने सभी विभागों व कॉलेजों को निर्देश जारी किए हैं।

HINDUSTAN PAGE 7

यूजीसी ने एलयू के तीन छात्रों को सारथी एम्बेसडर बनाया

लखनऊ, संवाददाता। यूजीसी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (एनईपी) के तहत एलयू के तीन विद्यार्थियों को सारथी के रूप में चुना है।

31 स्टूडेंट एम्बेसडर फॉर एकेडमिक रिफॉर्म्स इन ट्रांसफॉर्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया (सारथी) का चयन देश के सभी विश्वविद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों में से किया गया है। इनमें एलयू की बीएससी पांचवें सेमेस्टर की दिव्यांशी गुप्ता, बीटेक कम्प्यूटर साइंस के सातवें सेमेस्टर की प्रियांशी राय व एमए राजनीति विज्ञान के तीसरे सेमेस्टर के आशुतोष बाजपेई भी हैं।

एलयू कर्मचारियों की कंप्यूटर ट्रेनिंग शुरू

लखनऊ। एलयू के कंप्यूटर विज्ञान विभाग में विज्ञान संकाय की ओर से नॉन टीचिंग कर्मचारियों के लिए चार सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अधिष्ठाता प्रो. विभूति राय ने बताया कि प्रशिक्षण में 50 से ज्यादा कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं। उन्हें दस्तावेजीकरण, ई-फाइलिंग, त्वरित संचार, डेटा उत्पादन और निष्कर्षण के साथ विभिन्न प्रकार के कार्यालय स्वचालन की आधिकारिक प्रणाली को सिखाया जा रहा है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग के डॉ. पुनीत मिश्रा ट्रेनिंग दे रहे।

i-NEXT PAGE 4

लॉ फैकल्टी में हुई क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता

LUCKNOW (27 Oct): एलयू की लॉ फैकल्टी में एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसाइटी व प्रोबोनो के द्वारा इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन विधि संकाय के जूरिस हॉल मे हुआ. कार्यक्रम की शुरुआत विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बंशीधर सिंह ने की. प्रशांत सिंह अटल मुख्य स्थाई अधिवक्ता (प्रथम) उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे. विनोद कुमार सिंह रजिस्ट्रार एलयू व रजनीश अरोड़ा डायरेक्टर इंडियन फॉरेन लैंग्वेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए. आलोक कुमार यादव एसोसिएट प्रोफेसर एलयू प्रोबोनो के फैकल्टी कॉर्डिनेटर के रूप में मौजूद रहे. कार्यक्रम में विवि से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों की 64 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का क्वार्टर फाइनल व सेमीफाइनल राउंड 28 अक्टूबर को होगा. फाइनल राउंड 29 अक्टूबर को आयोजित होगा.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लविवि : कोई बना वादी तो कोई अधिवक्ता

क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता में वक्ताओं ने सिखाए सामंजस्य बनाने के गुर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : कोई वादी बनकर अपनी समस्या गिनाता नजर आया। तो कोई वकील की भूमिका में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा था। ये सबकुछ लखनऊ विवि में आयोजित क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता के पहले दिन हुआ। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं की ओर से बेहतर सामंजस्य बनाए जाने के गुर भी सिखाये गए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते अतिथि प्रशांत सिंह अटल, साथ में अन्य।

शुक्रवार को लखनऊ विवि कैम्पस का नजारा कुछ बदला सा था। सभी निर्धारित पोशाक में मिले। तीन दिनों तक चलने वाली क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता के पहले दिन 64 टीमों ने प्रतिभाग किया। विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बंशीधर सिंह ने क्लाइंट काउंसलिंग की उपयोगिता की जानकारी देकर कार्यक्रम का आरम्भ किया। कुछ सुझाव ऐसे भी दिये, जो पारस्परिक तालमेल के लिए बेहतर थे। कार्यक्रम के दौरान विधि छात्र कई टोलियों में बंटे नजर आए।

आयोजन

इस दौरान मुख्य स्थाई अधिवक्ता प्रशांत सिंह अटल ने अधिवक्ताओं के जीवन के व्यवहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। ऐतिहासिक तथ्यों को साझा करते हुए वकालत पेशे की पवित्रता का बखान किया।

इण्डियन फॉरेन लैंग्वेज सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी डायरेक्टर रजनीश अरोड़ा कम्युनिकेशन के महत्व को बताया। एसोसिएट प्रोफेसर आलोक कुमार ने प्रतिभाग करने आई टीमों से अलग अलग संवाद किया। एडीएलएस की अध्यक्ष आरजू नायब ने क्लाइंट और वकीलों के बीच पारस्परिक तालमेल को लेकर बिन्दुवार जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विधि छात्र विनय राय, विराट, प्रशांत, अमित सहित अन्य मौजूद रहे।

रजिस्ट्रार ने साझा कीं जानकारियां

विवि के रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थी जीवन से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। कठिन परिश्रम के दौरान एकाग्रता का क्या महत्व होता है। ये भी विस्तार से बताया। छात्रों का उत्साहवर्धन भी प्रतियोगिता के दौरान किया गया।

दो दिन और चलेगी प्रतियोगिता

क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता रविवार तक चलेगी। दो और दिनों तक चलने वाली प्रतियोगिता में क्लाइंटों के साथ अन्य क्षेत्रों में होने वाली समस्याओं पर प्रकाश डाला जाएगा। ताकि व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा सके।

तीन छात्र बने स्टूडेंट अम्बेसडर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दिव्यांशी गुप्ता | प्रियांशी राय | आशुतोष वाजपेयी

अमृत विचार : नई शिक्षा नीति में सुधार के लिए देश से 31 छात्र स्टूडेंट अम्बेसडर बनाए गए हैं। इसमें से तीन लखनऊ विवि के हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की गई पहल को उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक सुधार एवं नवाचार के लिए के बेहतर माना जा रहा है।

भारत के समस्त विश्वविद्यालयों में से 13 विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया में सम्मिलित किये गए हैं। जिसमें कुल 31 छात्र - छात्राओं का चयन हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय के तीन छात्र भी इसी सूची में हैं। बीएससी सेमेस्टर पंचम की छात्रा दिव्यांशी गुप्ता, बीटेक सेमेस्टर सप्तम की प्रियांशी राय, एमए राजनीति विज्ञान तृतीय सेमेस्टर के आशुतोष बाजपेई को नेप सारथी के रूप में नामित किया गया है। बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नई शिक्षा नीति नेप के अन्तर्गत पहल की है। इसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक सुधार एवं नवाचार के लिए स्टूडेण्ट अंबेसडर के रूप में नामित किये गए हैं।

लविवि

- नई शिक्षा नीति में सुधार के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा की गई है प्रक्रिया
- देश भर के 31 छात्रों में से तीन लखनऊ के भी छात्र किए गए हैं शामिल

लविवि में साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लविवि में कप्यूटर विज्ञान संकाय द्वारा गैर शिक्षण कर्मचारियों का शुक्रवार को एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। विज्ञान संकाय के डीन प्रोफेसर विभूति राय ने बताया कि कार्यक्रम कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के निर्देशन में आयोजित हुआ। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य दस्तावेजीकरण, ई- फाइलिंग, त्वरित संचार, डेटा उत्पादन और निष्कर्ष के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के कार्यालय स्वचालन की अधिकारिक प्रणाली को उन्नत करना है।

कार्यक्रम का उदघाटन संकाय के डीन विभूति राय ने किया। उन्होंने बताया कि नैक और ए प्लस प्लस ग्रेडिंग को प्रशासन के अधिकारिक स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

PIONEER PAGE 3

सारथी के एम्बेस्डर बनें एलयू के तीन छात्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अन्तर्गत सारथी (स्टूडेंट एम्बेस्डर फार एकेडमिक रिफार्म इन ट्रांसफार्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया) की पहल उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक सुधार एवं नवाचार हेतु स्टूडेंट एंबेसडर के रूप में किया गया है। इसमें देश के सभी विश्वविद्यालयो, शिक्षण संस्थानों में से 13 विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थानों को चुना गया है। जिसमें से कुल 31 छात्र.छात्राओं का चयन हुआ है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के 3 छात्र-छात्राओं को भी शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के जिन तीन छात्र.छात्राओं को एम्बेस्डर नियुक्त किया गया है, उसमें बीएससी पांचवे सेमेस्टर की दिव्यांशी गुप्ता, बीटेक कम्प्यूटर साइंस की सातवें सेमेस्टर की छात्रा प्रियांशी राय और राजनीति विज्ञान से एमए तृतीय सेमेस्टर के छात्र आशुतोष बाजपेई शामिल है। छात्रों की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इन छात्र.छात्राओं को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह हम लोगों के लिए गौरव का विषय है कि लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक स्तर 2020 में और स्नातक स्तर पर 2021 में नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का प्रथम विश्वविद्यालय है।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 7

LU के तीन छात्र बने स्टूडेंट एंबेसडर

प्रियांसी | दिव्यांशी | आशुतोष

लखनऊ (एसएनबी)। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नई शिक्षा नीति एनईपी के अन्तर्गत सारथी की पहल उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक सुधार एवं नवाचार के लिए स्टूडेंट एंवेसडर के रूप में लखनऊ विवि के 03 स्टूडेंट को भी सम्मिलित किया गया है। देश के समस्त विश्वविद्यालयों/शिक्षण संस्थानों में से 13 संस्थानों को चुना गया है, जिसमें से कुल 31 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ।

अनुदान आयोग द्वारा लखनऊ विवि के तीन छात्र-छात्राओं दिव्यांशी गुप्ता (वीएससी. सेमेस्टर-पंचम), प्रियांशी राय (वीटेक, समस्टर- सातवां, कम्प्यूटर साइंस) और आशुतोष वाजपेई (एम ए राजनीति विज्ञान, सेमेस्टर- तृतीय) को नामित किया गया है। इन छात्र-छात्राओं का कार्य भारत सरकार, राज्य सरकार और विश्वविद्यालय द्वारा नई शिक्षा नीति के लिए किए जा रहे एकेडमिक कार्यो को जमीनी स्तर पर सभी लोगो को अवगत कराना है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने इन छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह हम लोगों के लिए गौरव का विषय है कि एलयू परास्नातक स्तर 2020 में और स्नातक स्तर पर 2021 में नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का प्रथम विश्वविद्यालय है।

एनईपी के तहत सारथी की पहल

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू के तीन विद्यार्थी स्टूडेंट एंबेसेडर के लिए चयनित

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने नई शिक्षा नीति के अन्तर्गत सारथी की पहल पर उच्च शिक्षण संस्थानों में शैक्षिक सुधार एवं नवाचार के लिए स्टूडेंट एंबेसेडर का चयन किया है। भारत के सभी शिक्षण संस्थानों में से 13 विश्वविद्यालय,
और शिक्षण संस्थानों को चुना गया है। जिसमें से कुल 31 छात्र-छात्राओं का चयन हुआ। इसमें लविवि के तीन छात्र-छात्राओं को भी सम्मिलित किया गया है। विवि अनुदान आयोग द्वारा गूगल फार्म के द्वारा भारत के समस्त शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राओं से उनका सम्पूर्ण विवरण माँगा गया था। जिसमें से उनके शैक्षणिक विवरण एवं अन्य योग्यताएं (को-कॉरिकुलर)को आधार मानकर उनका चयन किया गया है। विवि अनुदान आयोग द्वारा लविवि के तीन छात्र-छात्राओं में दिव्यांशी गुप्ता (बीएससी सेमेस्टर-पंचम), प्रियांशी राय (बीटेक, सेमेस्टर-सातवां, कम्प्यूटर साइंस)और आशुतोष बाजपेई (एमए राजनीति विज्ञान, सेमेस्टर-तृतीय)को नामित किया गया है। इन छात्र-छात्राओं का कार्य भारत सरकार, राज्य सरकार और विवि द्वारा नई शिक्षा नीति के लिए किए जा रहे एकेडमिक कार्यों को जमीनी स्तर पर सभी लोगों को अवगत कराना है। कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने इन छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि यह हम लोगों के लिए गौरव का विषय है कि लविवि परास्नातक स्तर 2020 में और स्नातक स्तर पर 2021 में नई शिक्षा नीति को लागू करने वाला देश का प्रथम विश्वविद्यालय है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

एलयू के शोधार्थियों ने साउथ कोरिया में प्रस्तुत किया शोधपत्र

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में पीएचडी कर रहे शोधार्थी अपूर्वा शर्मा और दिग्विजय सिंह जो डॉ.अर्पणा गोडबोले एवं प्रो.तृप्ता त्रिवेदी के निर्देशन में अपना शोधकार्य कर रहे हैं। इन दोनों शोधार्थियों अपना शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए 22वें साइंस काउंसिल ऑफ़ एशिया कांफ्रेंस-2023 में आमंत्रित किया गया। उक्त सम्मलेन 19 से 21 अक्टूबर तक सीओल नेशनल यूनिवर्सिटी, सीओल साउथ कोरिया में आयोजित हुआ। जिसमें भारत, जापान, बांग्लादेश, कोरिया और फिलीपींस सहित विभिन्न

एशियाई देशों से विज्ञान और शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ उपस्थित रहे। संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून भी इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित थे। उन्होंने पूर्वी एशिया में भू-राजनीति विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित किया और सतत विकास लक्ष्यों पर चर्चा की। इस आयोजन में सम्मिलित होना शोधार्थियों के लिए एक स्वर्ण अवसर साबित हुआ। जिसमें उन्होंने शोध, विज्ञान व शिक्षा सम्बंधित कई मुद्दों के बारे में बहुत सी जानकारियां हासिल की।

विद्यार्थियों को एकाग्रता का बताया महत्व

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। विश्वविद्यालय विधि संकाय की एडीआर ड्राफ़िटंग एवं लिटरेरी सोसाइटी और प्रो बोनो ने इंटर कॉलेजिएट क्लाइंट काउन्सलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन विधि संकाय के जूरिस हॉल में किया। कार्यक्रम की शुरुवात विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ.बंशीधर सिंह द्वारा की गई। प्रशांत सिंह अटल मुख्य स्थाई अधिवक्ता (प्रथम)उत्तर प्रदेश सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विनोद कुमार सिंह रजिस्ट्रार लविवि एवं रजनीश अरोड़ा निदेशक इण्डियन फ़ोरेन लैंग्वेज सेंट्रल यूनिवर्सिटी विशिष्ट अतिथिगण के रूप मे उपस्थित रहे। आलोक कुमार यादव एसोसियेट प्रोफ़ेसर लविवि प्रो बोनो के फ़ैकल्टी कॉर्डिनेटर के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं कुलगीत से की गई।

प्रो. बीडी सिंह ने क्लाइंट काउन्सलिंग की उपयोगिता तथा प्रतियोगिता से संबंधित कीमती सुझाव दिये। मुख्य स्थायी अधिवक्ता प्रशान्त सिंह अटल ने अधिवक्ता जीवन के व्यावहारिक पहलुओं पर रोशनी डालते हुए इतिहास से जुड़े तथ्यों को सामने रखा और वकालत पेशे की पवित्रता को बताया। डॉ.विनोद कुमार सिंह ने विद्यार्थी जीवन से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को बताया और विद्यार्थी जीवन में एकाग्रता एवं ध्यान का महत्व बताया। रजनीश अरोड़ा ने लीगल फ़ील्ड में कम्यूनिकेशन के महत्व को बताया। अलोक कुमार यादव ने इस प्रतियोगिता आयोजन के लिए सभी आयोजक संस्थाओं के बच्चों को तथा अतिथियों को शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में लविवि से संबद्ध विभिन्न कॉलेजों की 64 टीमों ने भाग लिया। छात्रों में प्रतियोगिता के प्रति जज्बा देखने लायक़ था।

LOKSATYA PAGE 3

एलयूआरएन बतायेगा, स्कॉलरशिप के लिए अर्ह हैं या नहीं

लखनऊ, लोकसत्य

स्कॉलरशिप के लिए आवेदन को लेकर समाजकल्याण विभाग की तरफ से किये गये बदलाव का खामियाजा अब शिक्षण संस्थानों को भरना होगा।

नये नियम के तहत अब शिक्षण संस्थानों को वेरीफिकेशन के जरिए बताना होगा कि आवेदक बोनाफाइड स्टूडेंट है या नहीं। ऐसे में इस सत्र से लखनऊ विश्वविद्यालय एलयूआरएन (लखनऊ यूनिवर्सिटी रजिस्ट्रेशन नंबर) के जरिए आवेदन का वेरीफिकेशन करने की तैयारी में है। अभी तक समाज कल्याण विभाग की तरफ से दी जाने वाली स्कॉलरशिप को लेकर आवेदन का वेरीफिकेशन समाज कल्याण अधिकारी के स्तर से होता था। वेरीफिकेशन के बाद ही छात्रों की स्कॉलरशिप आती थी। लेकिन इस सत्र से शुरू हुई नई व्यवस्था के तहत अब वेरीफिकेशन की जिम्मेदारी शिक्षण संस्थानों पर डाल दी गयी है। जिला समाज कल्याण अधिकारी की भूमिका महज अग्रसारित अधिकारी के रूप में रह गयी है। इस नई व्यवस्था से लखनऊ विश्वविद्यालय की मुश्किलें बढ़ने वाली है।

वेरीफिकेशन

- अब शिक्षण संस्थानों पर होगी वेरीफिकेशन की जिम्मेदारी

HINDUSTAN TIMES PAGE 4

Three LU students selected for NEP SAARTHI

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : Three students of the Lucknow University (LU) have been selected for the NEP SAARTHI (Student Ambassador for Academic Reforms in Transforming Higher Education in India), an initiative of the University Grants Commission under the New Education Policy (NEP).

A total of 752 students were selected from 275 universities/educational institutions of India and of these three students are from Lucknow University. These LU students are Divyanshi Gupta (BSc semester-5), Priyanshi Rai (BTech semester- VII, computer science) and Ashutosh Bajpai (MA political science, semester-III).

The University Grants Commission had sought complete details of the students of all the universities/educational institutions of India through Google Form out of which 752 students have been selected based on their educational details and other qualifications (co-curricular).

(L) Ashutosh, Divyanshi and Priyanshi SOURCED